सेवा में

श्री मान पुलीस अधीक्षक महोदय
जिला सिंगरौली म0प्र0

बिषयः– बिप्रो कम्पनीं की धोखाधडी का शिकार विकलांग व्यक्ति खा रहा दर–दर की ठोकरें,

जिले के बरगवां का एक विकलांग व्यक्ति निरज गुप्ता पिता श्री मुन्नीलाल गुप्ता जो कि पैर से जन्मजात विकलांग है उक्त व्यक्ति किसी प्रकार से अपनीं रोजी रोटी की व्यवस्था कर अपना जीवन यापन कर रहा था। उक्त व्यक्ति घर की माली हालत की स्थिती में स्नातक तथा आई0ए0सी0एम0 संस्थान बैढन से कम्प्यूटर हार्डवेयर नेंटवर्कींग का कोर्स किया एवं नेंटवर्कींग करनें के बाद दिल्ली के ए0एन0जी0 कम्पनीं में सिक्योरिटी सिस्टम लगानें का काम मिल गया बतौर निरज गुप्ता उक्त कार्य को बडे ही ईमानदारी व मेंहनत से करता रहा। और मात्र निरज गुप्ता ही नहीं हर नौकरी तलास करनें वाले की इच्छा होती है की वह एक मल्टीनेंशनल कम्पनीं में एक कर्मचारी बननें की चाह होती है। तभी एक दौर ऐसा आया की दिनांक 15 फरवरी 2013 को सुरेश महतो (09716218796) जो की झारखंड के धनबाद जिले का रहनें वाला था नें बिप्रो कम्पनीं में स्थाई नौकरी के लिये बताया और कहा की तुम्हे 20,0000 रू बतौर सिक्योरीटी मनीं देनें की बात कही और। और कहा की मेरा पैसा रिफंडेबल चेक के द्वारा वापस मिल जायेगा, जब निरज गुप्ता नें इसकी बातों पर विश्वास नहीं किया तो उसनें अपना आफर लेटर एवं ईमेल (srinivasan@recruitment-wipro.com) दिखाई, ईमेल देखने से गलत नही लग रहा है, दिखाया और कहा की करना हो तो एडवांस दे दो तब जब मैने हॉ कहा तो सुरेश महतो ने अपने मोबाईल से एक एस0एम0एस0 कर मुझे दिनांक (19/02/2013, 9:37) को आई0सी0आई0सी आई0 बैक अकाउंट नं0 082401500489 दिया जोकि मृदुल घोष के नाम से था पर मैनें एक्सीस बैंक एकाउंट मांगा तब दिनांक (19/02/2013, 13:16) को मुझे एक्सीस बैंक का एकाउन्ट नं0 मिला जो 911010036113712 जो सान्डील्य आलोक कुमार सीटी सेनट्रल ब्रान्च धनबाद में पैसे भेजनें को कहा तब मैनें एक्सीस बैंक के एकाउन्ट में अपनें एटीएम कार्ड से फन्ड ट्रान्सफर किया **जिससे** दिनांक (21/02/13) को **मेरा** फोन से साक्षात्कार **हुआ और उसके बाद** दिनांक (24/02/2013) को **ऑफर लेटर आ गया, ऑफर लेटर अंदर सिक्योरिटी में था, उसमे न तो कुछ चेंज कर सकते है न ही प्रिंट कर सकते है** |**जिससे** यह सब देख **मैं** ए0एन0जी0 कम्पनी प्रबंधन को इस्तीफा दे दिया । और इस्तीफे के 15 दिवस के बाद सुरेश महतो के माध्यम से मुझे बताया गया की विप्रो कम्पनी मे मेंरी ज्वायनींग को अभी दो से तीन महीनें का वक्त लगेगा इस बीच मै अपनें घर आकर विप्रो कम्पनी के द्वारा बुलावे का इंतजार करनें लगा । तीन महीनें का समय गुजर जानें के बाद मेंरी बात सुरेश महतो के द्वारा मुझे एक नम्बर मिला नं0–08961596670 जो आलोक सान्डील्य के नाम से था से बात हुयी बात करनें पर मेंरी ज्वायनींग की प्रोसेस चालू हुयी और कम्पनीं के द्वारा दिनांक 18/06/2013 को एक मेल जिसमे मुझसे मेंरा मेंडीकल चेक करवानें की बात हुयी तब मैने अपनी मेंडीकल की जानकारी दिनांक ;21/06/2013 को दिया उसके बाद दिनांक ;26/08/2013 को एक मेल जिसमे सिनर्जी एकाउन्ट आया जिसमें मुझे आई0डी0 *Log in 8740065472 Password - wipro@123456* प्राप्त हुआ और मेंल के द्वारा बताया गया की यह एकाउन्ट 28 कार्यदिवस पुरे होनें पर साईड (https://synergy.wipro.com/NASApp/com/SynergyLogin.jsp) पर चालू होगी पर निर्धारित समय पर यह चालू नहीं हुआ और इसके बाद मुझे दिनांक आफर मिला की अगर मैं एक या दो लडकों को और देता हूँ तो मुझे और बडे पोस्ट पर काम दिया जायेगा और मुझे एक मेल दिनांक (10/10/2013) को जिसमे ऐ बताया गया की मेरी पोस्ठ अपग्रेट कर दिया गया है जिसका (Request No - H876400-H37) है और मेरे द्वारा लडकों को न देने की बात पर कम्पनी के द्वारा इसी मेल के माध्यम से ऐ बताआ गया कि अगर मै अपनी कमीटमेन्ट को 48 धन्टे के अन्दर पुरा नही की तो मेरी ज्वाईन की

प्रोसेस को रद्द कर दिया जाऐगा और तब मैने दिनांक (11/10/2013) को एक मेल के माध्यम से कम्पनी से जानने का प्रयास किया कम्पनी को जो कुछ मुझसे चाहीऐ वो ईमेल के माध्यम से बताऐ और कम्पनी को सक्त चेताया की अगर मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईन नही हुई तो मै इसके लिऐ कोंट मे जाउंगा और मेरे पास पर्याप्त सबुत भी है और इसी बीच मेरे दोस्त पवन नारवल को दिनांक 16/10/2013 को ऐ जानकारी न्युज पेपर दैनिक भास्कर के (राजस्थान एडीशन) के माध्यम से मिली की कम्पनी प्रबन्धन के द्वारा कुछ लोग कम्पनी का नाम लेकर गलत आफर दें कर जनता को बेवकुफ बनाया जाता है अब तब मुझे ऐ अहसास हो चुका था कि यहा से मुझे कोई नोकरी नही मिलेगी और मेंरा भविष्य चौपट हो चुका है अब मैंने अपने जहन मे ऐ पक्का इरादा कर लिया की इन सबको पकडवा कर कानून के हवाले करूँगा उसके लिये मुझे चाहे जो करना पडा वो करूँगा इसके लिये मैने सबसे पहले दोनो एकाउंट नम्बर की डिटेल निकालने के लिये दोनो बैंक के कर्मचारीओ से गुप्त रूप से सर्म्पक किया और उनकी जानकारी हासील किया।

1. आलोक कुमार सांधल्या खाता कं. 91101003611371 2 एक्सीस बैंक ब्रांन्च सिटी सेन्टर धनवाद बिहार मोबाईल कं. 09088013796, 8961596670 और ईमेल आई0डी0 shandilyaalokekumar@gmail.com
2. मृदुल घोस और मौसमी कौल ज्वाईन्ट आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक खाता कं. 082401500489, पता रमाकान्त मिस्त्री, मैंन ग्प्रउन्ड फ्लोड मुर्चीपरा ईस्कोयर कोलकत्ता मोबाईल कं. 08443926007, ईमेल आई0डी0 rocks.jesuschrist@gmail.com

कर दिनांक (19/11/2013) को कम्पनी प्रबन्धन को एक ईमेल के माध्यम से चेताया की अगर मै ऐ जानकारी हासील कर सकता हु तो तुम्हारे साथ क्या नही कर सकता इस लिऐ मै कम्पनी से अनुरोध करता हु कि मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाइंनिंग कर हम सबकी लाईफ को खराब होने से बचा लिया जाय अन्यथा मै एक सप्ताह मे अगर ज्वाईन नही हुई तो मै भारत सरकार की मदत लेकर कम्पनी प्रबन्धन के खिलाफ लामबंद हो जाउँगा जिससे पहले मुझे दिनांक (22/11/2013) समझाने का प्रयास की पर जब मै नही माना तब कम्पनी प्रबन्धन के द्वारा दिनांक (25/11/2013) को एक मेल के माध्यम से बताया गया की मेरे प्रोसेस (Notice Reference No 40954-H213) को फिर से चालू किया और जिसमे मुझसे पुनः मेरे प्रमाण पत्र मागा गया जो मेरे द्वारा दिनांक (26/11/2013) दिया और कम्पनी को एक महीनें का समय देकर यह बोला गया की अगर उक्त समय मे मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईनींग न हुई तो भारत सरकार की मदद की बात कही गयी थी । तब दिनांक 11/12/2013 को एक मेल के माध्यम से कम्पनी प्रबन्धन द्वारा मुझे चेताया गया की मै 24–48 धंटे के अन्दर मै कन्फर्म करू की जो प्रमाण प्रत्र दिया है वह सही है जो मेरे द्वारा दिनांक 12/12/2013 को कन्फर्मेसन दिया गया की मेरे द्वारा जो प्रमाण प्रत्र दिया गया है वो सही है और वही दुसरी ओर मै दिनांक (24/11/2013) को कम्पनीं की मेंल आई डी (helpdesk.recruitment@wipro.com) पर आफर लेटर वाली ईमेल को भेजा और जानकारी मांगी की मेंरी स्थिती क्या है तो कम्पनीं से दिनांक (13/01/2014) को वापस जबाब मिला की यह सब गलत है। और यह सारी मेंल एक फेक मेंल है। जिससे कम्पनीं का कोई सम्बन्ध नहीं है। तब मैंनें कम्पनीं से इसके फेक होनें का बार–बार प्रमाण मांगने पर कम्पनीं के द्वारा जानकारी नहीं दी गई और कहा गया की मै नियरेस्ट पुलिस स्टेसन मे एफ0आई0आर0 करने को कहा गया तब मैनें दिनांक दिनांक (18/02/2014) पूरी मेंल की कांपी कर सी0बी0 में डाला गया जिससे दिनांक (19/02/2014) को कम्पनी प्रबन्धन से एक साईड दिया गया और बताया की गलत ईमेल यहां से बनता है पर जब मैरे द्वारा इस साईड का गहन अध्यन करने पर जानकारी मिली की गलत ईमेल बनाने के लिये एक फार्म भरना पडता है और कुछ पैसे आनलाईन देने होते है जो की ए0टी0एम0 से ही सम्भव है जिससे जो भी गलत ईमेल बनाता है तो उसकी पुरी जानकारी इस साईड मे जुडी होगी जिससे कम्पनी प्रबन्धन आसानी से प्राप्त कर, गलत ईमेल बनाने वाले के खिलाफ

लीगल एक्शन लेकर कानूनी कार्यवाही कर सकता या पर उसने ऐसा नही किया जिससे साबित होता है कि ये पुरी प्रक्रीया कम्पनी प्रबन्ध ही करवा रहा है और इसके विपरीत किसी भी शिक्षण संस्थान या कोई भी कम्पनी अपने कर्मचारी को ऐसी साइड के बारे मे नही बताती है जिससे अगर कोइ बेंकसुर छात्र अगर इस तरह से धोखा खाता है तो इसके लिये पुरी जिम्मेवारी कम्पनी प्रबन्धन की होनी चाहिये! वही दुसरी ओर मुझे एक मेल दिनांक 19:02:2014 को एक ईमेल (acharya.sourav@yahoo.in) से प्राप्त हुआ और कहा गया कि मै अपना कलर प्रमाण पत्र की छाया कापी मागी गयी मेरे व्दारा दिनांक 20:02:2014 को दिया गया और वही दुसरी ओर सी0बी0 साईड से दिनांक 20/02/2014 मुझे एक एस0एम0एस0 और एक फेसबुक लिंक आया जिसमे मुझसे आग्रह किया गया कि आलोक सधलिया नाम का एक व्यक्ति पकडा गया है और मै अपना मोबाइल नं. दु जिससे मै कम्पनी से जुडकर जो भी मेरे पास जानकारी है कम्पनी को दु जिससे कम्पनी उनलोगो को पकड सके! मैने अपना मोबाइल नं. और ईमेल आई0डी0 सेंड कर दिया जिससे दिनांक (20/02/2014) उस साइड के माध्यम से एक सौरव आर्चाया नाम का एक व्यक्ति की कांल (मोबाईल नं. 09051923234) आया और ऐ बताया गया कि आलोक नाम का एक व्यक्ति पकडा गया है चुँकी सौरव आर्चाया सी0बी0 के माध्यम से मुझसे जुडा था इस लिऐ मैने उसे पुरी जानकारी दे दी और मैने सौरव आर्चाया के बारे मे सी0बी0 के माध्यम से जानकारी लि तो दिनांक 21/02/2014 को बताया गया की हा यह सहीं है! वही दुसरी ओर दिनांक 24/02/2014 ई0डी0 acharya.sourav@yahoo.in से एक मेल जिसमे बताया गया कि मेरे ज्वाईनिंग का समय Documentation Date - 17th March, 2014 and Induction Date – 20th March, 2014 है चुकिं मुझे सबुत कलेक्ट करना था इसलिये मै सब कुछ देख रहा था वही दुसरी ओर कम्पलेन बोर्ड से जो फेसबुक की साईड आई थी उसमे ये दिखाया गया कि मृदुल नाम का व्यक्ति भी पकडा गया है और सौरव आर्चाया के माध्यम से कहा गया की ऐ पुरी प्रकिया कलकत्ता कोंट मे चल रहा है और मै नियरेस्ट पुलिस स्टेसन मे एफ0आई0आर0 करने को कहा गया जिससे इस प्रकिया मे मजबुती आऐ पर मेरे गांव के पुलिस विभाग का कहना था कि इस केस मे सी0बी0आई0 काम कर रही है तो वो कुछ नही कर सकती वही सौरव के द्वारा दिनांक 27/02/2014 को ऐ कहा गया की इस काम करने मे राजनितीक अडचन आरही है क्युकि मृदुल ने बहुत सी पार्टी से जुडा है जिसकी रिकार्डींग मैने युतूब मे डाल रखी है इसी दर्मीयान मेरे दोस्त पवन नारवल के ईमेल मे एक मेल दिनांक (27/02/2014) को ईमेल आई0 resourcing.infotech@wipro.com से मेरे दोस्त पवन नारवल के ईमेल (Pk.narwal.14@gmail.com) मे कम्पनी व्दारा एक ईमेल जिसमे पुनः सिनर्जी एकाउन्ट जिसका (Synergy User Name :599080) आ गया जो साईड (https://synergy.wipro.com/CandidateWILogin.html) मे खुलने की बात कही गयी उसके बाद पुनः एक मेल जिसमे (Password-19MAANPA) इसी मेल आई0डी0 से 3 घंटे के अन्दर आ गई इस बार एकाउंट खुल गई और इसके कुछ दिन बाद दिनांक (11/03/2014) को ईमेल आई0डी0 (mahima.hegde@wipro.com) से काल लेटर (Contact Person: Dhruv) भी आ गई पर जब मै इस काल लेटर के बारे मे कम्पनी की आई0डी0 (helpdesk.recruitment@wipro.com) से दिनांक (13/03/2014) को जानकारी लेने की कोसीस की तो कम्पनी के व्दारा दिनांक (19/03/2014) को ऐ बताया गया की अगर मै किसी रिकुयेटर से जुडा हुँ तो वो मुझे इन्टरव्यु के लिये बुला रहा है पर जब मैने दिनांक (28/03/2014) को ईमेल आई0 resourcing.infotech@wipro.com से आऐ हुऐ सिनर्जी एकाउन्ट के बारे मे जानकारी मागी तो कम्पनी के व्दारा दिनांक (03/04/2014) को जबाब न देते हुऐ पुलिस मे एफ0आई0आर0 की बात दुहराई गई अब तक जो भी इस प्रोसेस को करवा रहा था वो पकडा जा चुका था। सी0बी0 की साईड पर सक तब हुआ जब सी0बी0 की जिस साइड से सोरव मुझसे जुडा था उस साइड से मेरे और उस साइड के बार्तालाप के कुछ एस0एम0एस0 डिलीट किया जारहा है तब मैने पुरी मेल और सबुत की बीडीओ बनाने के लिऐ दिल्ली गया और वहा से सारी सबुत का बिडीओ **(WIPRO START TO CHEAT INNOCENCE PEOPLE PORT 1 OF 5)** बनाकर मै दिनांक (16/04/2014) को यूतुब की साईड मे डालकर उसकी लींक को दिनांक (16/04/2014) को कम्पनी को सेन्ड किया।

https://www.youtube.com/watch?v=v1sVRjwULWk&feature=youtu.be
https://www.youtube.com/watch?v=HwT6nUt1cow&feature=youtu.be
https://www.youtube.com/watch?v=zxsBuUz0ImE&feature=youtu.be
https://www.youtube.com/watch?v=ZDzRBZDUYRg&feature=youtu.be
https://www.youtube.com/watch?v=bwZXaVLZADw&feature=youtu.be

पर कम्पनी प्रबन्धन को इससे कोई फर्क न पडता और कम्पनी के माध्यम से बार–बार आग्रह किया जाता रहा की मै अपने नजदिकीय पुलिस स्टेशन मे जाकर एफ0आई0र0 कर दु। ऐ सब देख मै दुसरी कम्पनी मे नोकरी तलासने लगा तब एक दौर वो भी आ गया की दिनांक 18/06/2014 को मुझे एक प्राइवेट कम्पनी मै सेलेक्ट भी हो गया और अगले दिन मुझे ज्वाइनींग करना था पर अचानक मुझे ऐसा अनदेसा हुया की कुछ लोग मेरा पिछा कर रहे है जिससे मै किसी अनहोनी होने के डर से उक्त दिनांक को ही माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त बिवरण से अवगत कराने की मंशा से लेटर की कापी अपने एक अन्य दोस्त को दे कर और ये कह कर की इसे रजीस्टर्ड डाक करने कह मै दिल्ली से भाग खडा हुआ जो मेरे दोस्त के द्वारा उक्त लेटर दिनांक 19/06/2014 को माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त पत्र साउथ एक्स नई दिल्ली से रजीस्टर्ड डाक द्वारा और मै स्वयं दिनांक 02/07/2014 को माननीय सायबर क्राइम सेल को कोरियर द्वारा बरगवां से प्रेषीत किया है। जिससे साईबर क्राईम सेल के माध्यम से एक शिकायत क्र0–C-2621/DCP/EOW जो ईमेल आई0डी0 से (cybercell.eow12@gmail.com) प्राप्त हुआ इसी बिच मै साइड सी0बी0 की गहन अध्यंन करने लगा जिससे मुझे पता चला की यह सी0बी0 की साइट बिप्रो कम्पनी के नाम से गुगल मे (Complain Board of Wipro Company) र्सच करने पर सी0बी0 की यही साइड खुलती है जिसमे बिप्रो कम्पनी की नाम कही भी नजर नही दिखता जिससे ये साफ होता है कि कम्पनी प्रबन्धन की मंशा क्या है? और इधर काफी समय बीत जाने के बावजुद जब कुछ नही होता देख मै दिनांक 02/11/2014 को प्रधान मन्त्री को पुनः एक लेटर से इस ओर ध्यान देने वावत् विनम्र आग्रह किया पर फिर भी माननीय प्रधान मंत्री महोदय और साईबर क्राईम सेल के माध्यम से कुछ न होता देख मै 29/11/2014 को पुनः न्याय की गुहार लगाई।

प्रार्थी

निरज गुप्ता